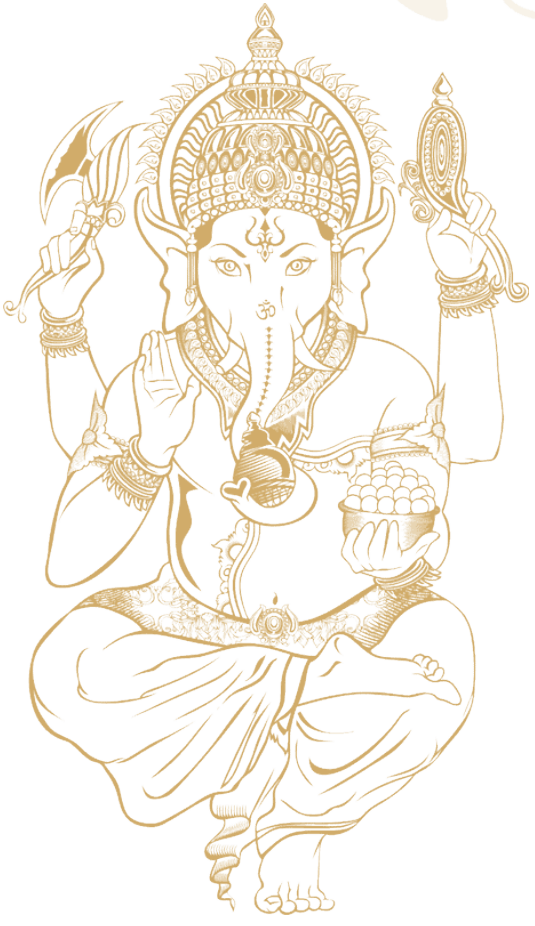

MrKrishnnarayan

25 Jul 1996

10:52 PM

Kalyan

Model: web-freekundliweb

Order No: 120995102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/07/1996**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**22:52:00 घंटे**
इष्ट	41:41:24 घटी
स्थान	**Kalyan**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	19:17:00 उत्तर
रेखांश	73:11:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:14:44 घंटे
वेलान्तर	-00:06:30 घंटे
साम्पातिक काल	18:29:30 घंटे
सूर्योदय	06:11:26 घंटे
सूर्यास्त	19:15:46 घंटे
दिनमान	13:04:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	09:12:58 कर्क
लग्न के अंश	15:38:56 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुक्ल
करण	गर
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ना-नवीन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	15:38:56	460:44:25	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
सूर्य			कर्क	09:12:58	00:57:19	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	03:51:27	13:51:25	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	नीच राशि
मंगल			मिथु	06:09:25	00:40:27	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
बुध			कर्क	24:17:06	01:48:41	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
गुरु	व		धनु	16:21:52	00:06:32	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			वृष	26:42:08	00:39:33	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	स्वराशि
शनि	व		मीन	13:33:01	00:00:42	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		कन्या	16:45:43	00:03:27	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	16:45:43	00:03:27	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	08:46:42	00:02:24	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप	व		मक	02:21:58	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	06:35:31	00:00:31	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			धनु	12:57:51	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:37

लग्न-चलित

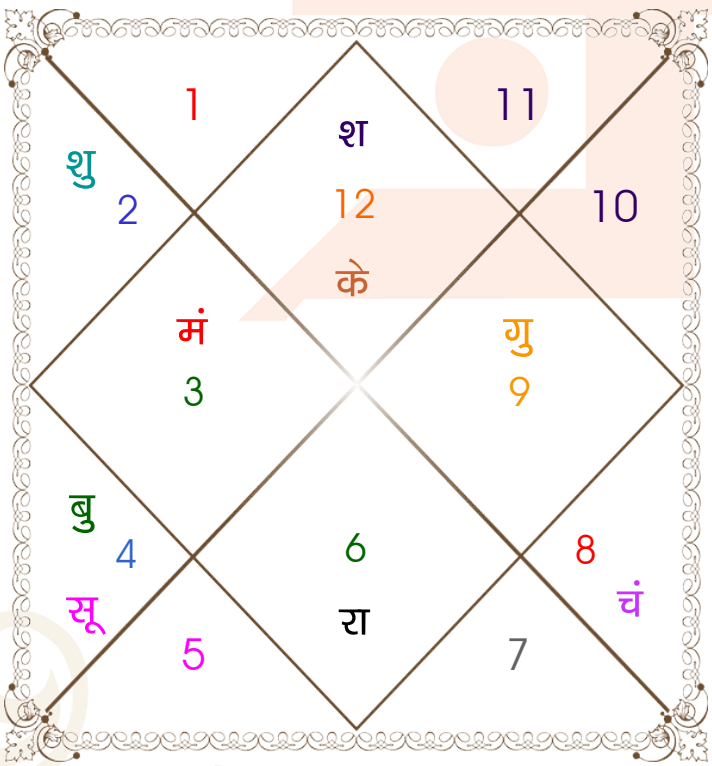

चन्द्र कुंडली

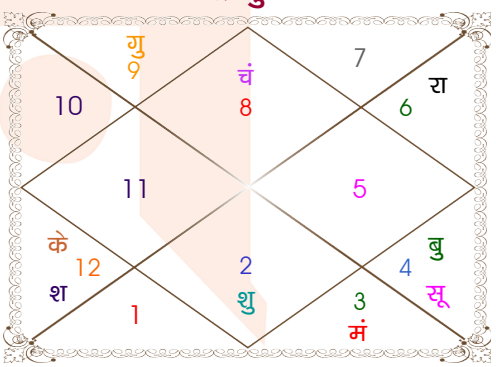

नवमांश कुंडली

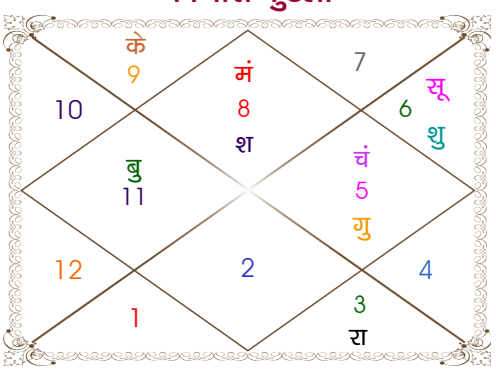

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 3 मास 1 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
25/07/1996		26/10/2014		27/10/2031		26/10/2038		26/10/2058	
26/10/2014		27/10/2031		26/10/2038		26/10/2058		26/10/2064	
शनि	29/10/1998	बुध	24/03/2017	केतु	24/03/2032	शुक्र	25/02/2042	सूर्य	13/02/2059
बुध	08/07/2001	केतु	21/03/2018	शुक्र	24/05/2033	सूर्य	25/02/2043	चंद्र	15/08/2059
केतु	17/08/2002	शुक्र	19/01/2021	सूर्य	29/09/2033	चंद्र	26/10/2044	मंगल	20/12/2059
शुक्र	17/10/2005	सूर्य	26/11/2021	चंद्र	30/04/2034	मंगल	26/12/2045	राहु	13/11/2060
सूर्य	29/09/2006	चंद्र	27/04/2023	मंगल	26/09/2034	राहु	26/12/2048	गुरु	01/09/2061
चंद्र	29/04/2008	मंगल	23/04/2024	राहु	14/10/2035	गुरु	27/08/2051	शनि	14/08/2062
मंगल	08/06/2009	राहु	11/11/2026	गुरु	19/09/2036	शनि	26/10/2054	बुध	21/06/2063
राहु	14/04/2012	गुरु	15/02/2029	शनि	29/10/2037	बुध	26/08/2057	केतु	27/10/2063
गुरु	26/10/2014	शनि	27/10/2031	बुध	26/10/2038	केतु	26/10/2058	शुक्र	26/10/2064

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
26/10/2064		26/10/2074		26/10/2081		27/10/2099		28/10/2115	
26/10/2074		26/10/2081		27/10/2099		28/10/2115		00/00/0000	
चंद्र	26/08/2065	मंगल	24/03/2075	राहु	08/07/2084	गुरु	15/12/2101	शनि	26/07/2116
मंगल	27/03/2066	राहु	11/04/2076	गुरु	02/12/2086	शनि	27/06/2104		00/00/0000
राहु	26/09/2067	गुरु	18/03/2077	शनि	08/10/2089	बुध	03/10/2106		00/00/0000
गुरु	25/01/2069	शनि	27/04/2078	बुध	26/04/2092	केतु	09/09/2107		00/00/0000
शनि	26/08/2070	बुध	24/04/2079	केतु	15/05/2093	शुक्र	10/05/2110		00/00/0000
बुध	26/01/2072	केतु	20/09/2079	शुक्र	14/05/2096	सूर्य	26/02/2111		00/00/0000
केतु	26/08/2072	शुक्र	19/11/2080	सूर्य	08/04/2097	चंद्र	27/06/2112		00/00/0000
शुक्र	27/04/2074	सूर्य	27/03/2081	चंद्र	08/10/2098	मंगल	03/06/2113		00/00/0000
सूर्य	26/10/2074	चंद्र	26/10/2081	मंगल	27/10/2099	राहु	28/10/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 2 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाता है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करता है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करता है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगे।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर लिए तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगे। परंतु आपको अपने फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करतें रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक प्यारी पत्नी आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगे।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर लिए तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगे। आप सर्वथा अपने मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगे। लेकिन आप सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रहे तो एक सफल गायक कलाकार हो सकते हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकते हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि के व्यक्ति हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखते हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करते रहे तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगे।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहते हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।